वर्ष : 04 अंक : 318

गाजियाबाद, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

पृष्ठ-6 मूल्य : दो रूपये

RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

देरी से प्राप्त की गई सम्पूर्णता की तुलना में निरन्तर सुधार बेहतर होता है।

परिसीमन विधेयक: पीएम मोदी की गारंटी- उत्तर दक्षिण किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि परिसीमन प्रक्रिया में राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं होगा, चाहे वे उत्तर, दक्षिण, बड़े या छोटे हों। परिसीमन विधेयक पर विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया कि इस प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह आश्वासन दिया कि कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई अन्याय नहीं होगा। मोदी ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर चर्चा के लिए आयोजित संसद के विशेष सत्र के दौरान कहा कुछ लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए गड़बड़ी पैदा कर रहे हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे उत्तर हो या दक्षिण, इस प्रक्रिया में किसी तरह का भेदभाव या अन्याय नहीं होगा। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि मैं वादा कर सकता हूं और गारंटी दे सकता हूं; अगर आप गारंटी शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा, अगर आप वादा शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा। उन्होंने कहा कि भूतकाल में जो सरकार रही, जिनके काल में जो परिसीमन हुआ, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा, और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। अगर गारंटी चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा चाहिए तो वादा देता हूं... क्योंकि अगर नीयत साफ है, तो शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है। मोदी ने कहा कि हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं... जी नहीं! उसका हक है। हमने कई दशकों से रोका हुआ है। आज उसका प्रायश्चित कर उस पाप से मुक्ति पाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा, लेकिन अगर साथ चलेंगे तो किसी को कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही ये पारित हो जाए, मैं कल विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद करने को तैयार हूं, सबकी फोटो छपवाने को तैयार हूं।

महिला आरक्षण बिल: विरोध की लंबी कीमत चुकानी पड़ेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में कहा कि हम सब भाग्यवान हैं कि ऐसे महत्वपूर्ण और देश की आधी आबादी को नीति निर्धारण प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक राजनीतिक स्वरूप के साथ देश की दशा और दिशा तय करने वाला है। मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है; अतीत में जिन्होंने विरोध किया, महिलाओं ने उन्हें माफ नहीं किया। मोदी ने कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ महत्वपूर्ण पल आते हैं, और उस समय की समाज की मन स्थिति एवं नेतृत्व की क्षमता उस पल को कैप्चर कर एक राष्ट्र की अमानत बना देती हैं, एक मजबूत धरोहर तैयार करती हैं।

पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार हैंड ग्रेनेड

2 विदेशी निर्मित पिस्तौल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

चंडीगढ़/अमृतसर। एक महत्वपूर्ण काउंटर-टेरर ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित सीमा-पार आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) की अमृतसर और मोहाली इकाइयों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया, जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से चार हैंड ग्रेनेड, दो विदेशी निर्मित पिस्तौलें और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया। डीजीपी यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर काम कर रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसका संबंध चंडीगढ़ में हाल ही में हुए ग्रेनेड हमले में शामिल एक आतंकी मॉड्यूल से भी है। इस मामले में अमृतसर स्थित एसएसओसी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है और नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल के व्यापक नेटवर्क और अन्य सदस्यों का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध और आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नई सरकार को निशांत कुमार का समर्थन, सम्राट चौधरी को बताया 'बड़ा भाई'

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार बृहस्पतिवार दोपहर पहली बार जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने उनसे कई सवाल पूछे। हालांकि, पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने नई सरकार के नेतृत्व को लेकर खुलकर समर्थन जताया। निशांत ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अपना 'बड़ा भाई' बताते हुए बधाई दी, साथ ही उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को भी शुभकामनाएं दीं।

निशांत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सम्राट चौधरी बिहार को नई दिशा देंगे और वह उनके नेतृत्व में काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता व उनका पूरा सहयोग नई सरकार के साथ रहेगा। निशांत ने स्पष्ट किया कि अब वह जनता के बीच जाएंगे और पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता के अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।निशांत कुमार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब नई सरकार के गठन के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं।

बंगाल में गरजे सीएम योगी, बोले- टीएमसी ने पैदा किया पहचान का संकट, खत्म होगा माफिया राज

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

बर्धमान। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान में एक रैली के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में पहचान के संकट, गुंडागर्दी, अपराध और माफिया के बारे में बात की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं आप लोगों से अपील करने आया हूँ। उन लोगों से, जिनकी वजह से बंगाल पिछले 15 सालों से पहचान के संकट का सामना कर रहा है। जिन्होंने बंगाल को आतंक, माफिया राज, रंगदारी और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है कि अब ळटउ की कोई जरूरत नहीं है। इन लोगों ने आम जनता, युवाओं, और हमारी बेटियों और बहनों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। इन्हीं की वजह से माफिया पनपा है। इस माफिया वाली प्रवृत्ति को इखढ खत्म करेगी। यही इखढ का संकल्प है।

रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने जनता को याद दिलाया कि नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। उन्होंने कहा, 'यहाँ आप जो अराजकता देख रहे हैं–डर का माहौल, दंगे, माफिया का राज, और विकास के लिए आए पैसों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार ठीक ऐसी ही गंभीर स्थिति नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी थी। उन्होंने बताया कि कैसे नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में अपराध और गुंडागर्दी अपने चरम पर थी। नौ साल पहले, हर दूसरे या तीसरे दिन दंगे होते थे।

कोई त्योहार या उत्सव नहीं मनाया जा सकता था। बहनें और बेटियाँ सुरक्षित नहीं थीं, गुंडागर्दी अपने चरम पर थी, अपराध बेकाबू था, माफिया का बोलबाला था, और जन कल्याण व विकास के लिए आए पैसों की लूट होती थी। इसका सिर्फ.एक ही इलाज है, और वह है 'डबल इंजन' वाली इखढ सरकार। सीएम योगी ने आगे कहा, 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी जो सपना देखा था, वह आज हमारे ढट मोदी के नेतृत्व में पूरा हो गया है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी को राहत देने से किया इनकार

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अनिल अंबानी की उस याचिका पर राहत देने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें बैंकों को उनके ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने की अनुमति दी गई थी।

यह मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले से संबंधित है जिसमें दो बैंकों को अनिल अंबानी के लोन खाते को धोखाधड़ी वाला खाता घोषित करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने दिसंबर 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें अनिल अंबानी को अंतरिम राहत दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने टिप्पणी की कि बॉम्बे उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच का आदेश उस मुकदमे पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा जिसका फैसला होना बाकी है और उच्च न्यायालय से मामले का शीघ्र निपटारा करने का अनुरोध किया। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा, एकल पीठ के आदेश के अनुसार, डिवीजन बेंच का आदेश लंबित मुकदमे के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगा। हम बॉम्बे उच्च न्यायालय से अनुरोध करते हैं कि दीवानी मुकदमे का निपटारा शीघ्रता से किया जाए।

लोकसभा में राहुल गांधी ने उठाया माइक का सवाल, स्पीकर ओम बिरला का तंज- सिर्फ आपका ही बंद होता है

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को संसद में उस समय मजाक किया जब सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संक्षेप में इस बात पर संदेह जताया कि क्या कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल का माइक काम कर रहा था। संसद के विशेष सत्र के दौरान, वेणुगोपाल ने सदन में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के प्रस्ताव के पीछे सरकार के इरादे पर सवाल उठाए और पूछा कि इसे 2024 में लागू क्यों नहीं किया गया। इसी दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खड़े हुए और आपत्ति जताई कि बिना चर्चा किए विधेयक की खूबियों पर सवाल कैसे उठाया जा सकता है। जब लोकसभा अध्यक्ष वेणुगोपाल को सदन की कार्यवाही समझाना शुरू कर रहे थे, तभी विपक्ष के किसी सदस्य ने सबसे पहले यह सवाल उठाया कि क्या सांसद का माइक चालू है। एक नेता ने कहा, 'माइक ही म्यूट था।' राहुल गांधी ने भी माइक की ओर इशारा करते हुए कहा, 'माइक नहीं चल रहा है।' इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा, 'चालू है माइक चालू है,

टीसीएस कांड: नासिक दफ्तर में काम हुआ बंद, अगले आदेश तक कर्मचारी करेंगे वर्क फ्रॉम होम

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के ऑफिस में फिलहाल काम सस्पेंड कर दिया गया है। इसके अलावा वहां काम करने वाले कर्मचारियों को अगले आदेश तक वर्क फ्रॉम होम करने के निर्देश दिए गए हैं। नासिक पुलिस ने एक सीक्रेट ऑपरेशन कर टीसीएस कर्मचारियों के खिलाफ सबूत इकट्ठे किए थे। जांच के दौरान यौन उत्पीड़न, दबाव डालना और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप सामने आए थे। अठक की रिपोर्ट के मुताबिक, जबरन धर्म परिवर्तन और यौन शोषण के आरोप सामने आने के बाद ळउर के नासिक कार्यालय में ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया जा चुका है। अब तक 8 महिला कर्मचारियों ने सामने आकर आरोप लगाए हैं कि उन पर लंबे समय से जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव डाला जा रहा था। साथ ही, उन्हें शारीरिक शोषण का भी सामना करना पड़ा और कुछ विशेष धार्मिक प्रथाएं अपनाने के लिए मजबूर किया गया। इन आरोपों की जांच के लिए महिला पुलिसकर्मी हाउसकीपिंग वर्कर बन दफ्तर में दाखिल हुईं, वहीं पुरुष पुलिस अधिकारियों ने सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी शुरू कर दी। कुछ महीनों तक लगातार जांच की गई, कंपनी में रहकर कंपनी की गतिविधियों पर ध्यान दिया गया।

टीसीएस नासिक केस क्या है?

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 26 मार्च को 34 वर्षीय दानिश के खिलाफ बलात्कार और जबरन धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इसके बाद जांच के दौरान अन्य मामलों का भी खुलासा हुआ और कुल 8 अन्य लोगों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए। पुलिस के अनुसार, दानिश के खिलाफ रेप का मामला इसलिए दर्ज किया गया, क्योंकि उसने पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए थे। साथ ही उस पर महिला पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने का भी आरोप है। इस मामले में ऑपरेशंस मैनेजर अश्विनी चैनानी भी पुलिस कस्टडी में है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: सपा ने संशोधन विधेयक में मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण मांगा, अमित शाह बोले- यह असंवैधानिक है

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को महिला आरक्षण अधिनियम (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। सरकार जहां एक तरफ इन विधेयक की खूबियां गिना रही हैं, वहीं विपक्ष इन विधेयक का विरोध कर रहा है। विरोध में कांग्रेस, सपा और टीएमसी समेत कई विपक्ष पार्टियां खड़ी हैं। इसी बीच सपा ने सदन में ऐसी मांग कर दी, जिसे सरकार ने असंवैधानिक बता दिया। दरअसल सपा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' में मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री ने असंवैधानिक बताया। सपा की ओर से आजमगढ़ से सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि सपा तीनों विधेयकों का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' में जब तक पिछड़े वर्ग की और मुस्लिम वर्ग की महिलाओं को शामिल नहीं किया जाएगा तब तक हम इस विधेयक का समर्थन नहीं करेंगे।

इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि इस विधेयक में मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण की बात करना असंवैधानिक है, क्योंकि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। आगे उन्होंने कहा, पूरे देश की महिलाओं की बात करें न कि सिर्फ मुस्लिम महिलाओं की। इस पर अखिलेश यादव उठ खड़े हुए और कहा, सरकार इस विधेयक को लाने में इतनी जल्दबाजी क्यों कर रही है, क्योंकि अगर जनगणना होगी तो जातियों की गिनती भी होगी और तब सपा प्रतिनिधित्व की मांग करेंगे। इसका जवाब देने के लिए गृहमंत्री अमित खड़े हुए और उन्होंने कहा अखिलेश पूछ रहे कि जनगणना क्यों नहीं हो रही। तो मैं सदन से देश को बता दूं कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। साथ ही सरकार ने जातीय जनगणना कराने की निर्णय ले लिया है। आगे अमित शाह ने कहा कि अभी घरों की गिनती हो रही और घरों की कोई जाति नहीं होती। उन्होंने कहा कि जब आबादी की गिनती तो उसमें जाति का भी एक कॉलम होगा। साथ ही कहा कि धार्मिक आधार पर कोई भी आरक्षण असंवैधानिक है। इस पर अखिलेश फिर खड़े हुए और पूछा कि क्या मुस्लिम महिलाएं 'आधी आबादी' का हिस्सा नहीं हैं? इसके बाद अमित शाह ने पलटवार किया और कहा कि अगर समाजवादी पार्टी चाहे, तो वह अपने सभी टिकट मुस्लिम महिलाओं को दे दे हमें कोई आपत्ति नहीं है। संसद का विशेष सत्र गुरुवार को शुरू हो गया है। इसमें तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जा रहे हैं। साथ ही, 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने को लेकर भी चर्चा हो रही है। सरकार की 2029 तक महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की योजना है। इसके साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर करीब 850 करने की भी योजना बताई जा रही है।

दिल्ली में जनगणना की शुरूआत, मकान गणना शुरू

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

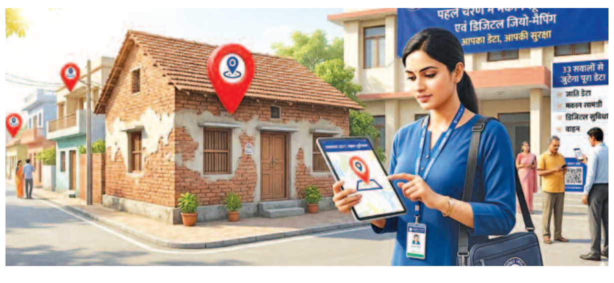

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में जनगणना 2027 के लिए घरों की गिनती गुरुवार से शुरू हो गयी। यह अभियान दो महीने तक जारी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना के पहले चरण को 'मकान सूचीकरण और आवास जनगणना' (हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस) के रूप में जाना जाता है, जिसे 30-30 दिनों के दो अलग-अलग चक्रों में पूरा किया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नयी दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी बोर्ड (डीसीबी) क्षेत्रों में यह अभियान 16 अप्रैल से 15 मई तक चलेगा। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में यह प्रक्रिया इसके तुरंत बाद 16 मई से 15 जून के बीच आयोजित की जाएगी। इस चरण का मुख्य उद्देश्य शहर की प्रत्येक इमारत और परिवार बारे में जानकारी इकट्ठा करना है, न कि व्यक्तियों की गिनती करना। जनगणना का कार्य बाद में दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा। कुल 700 से अधिक प्रशिक्षित कर्मी घर-घर जाकर निवासियों से 33 सवाल पूछेंगे। इसमें बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता, घर की मालिकाना स्थिति और परिवार के मुखिया का नाम व लिंग जैसे विवरण शामिल होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी। गणनाकार सूचनाओं के संग्रह में अधिक दक्षता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अपने मोबाइल पर एक विशेष ऐप का उपयोग करेंगे। निवासियों के पास आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्व-गणना (सेल्फ-एन्युमरेशन) पूरा करने का विकल्प भी होगा।

एनडीएमसी और डीसीबी क्षेत्रों के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें 5000 से अधिक लोगों ने अपनी जानकारी दर्ज की। एमसीडी क्षेत्र के तहत स्व-गणना एक मई से शुरू होगी, जो उस क्षेत्र के लिए वास्तविक गणना कार्य से पखवाड़े भर पहले है।

कनावनी झुग्गी बस्ती में भीषण आग, 22 दमकल गाडियों ने पाया आग पर काबू

दोपहर में लगी विकराल आग ने पूरी बस्ती को लिया चपेट में

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित कनावनी गांव में गुरुवार दोपहर झुग्गी-झोपडियों की बड़ी बस्ती में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर फायर स्टेशन वैशाली कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वैशाली, साहिबाबाद और कोतवाली फायर स्टेशनों से दमकल वाहन तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किए गए। आग अस्थायी टीन शेड से बनी झुग्गियों में तेजी से फैल चुकी थी और देखते ही देखते पूरी बस्ती इसकी चपेट में आ गई।

आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूर-दूर तक धुएं का विशाल गुबार दिखाई देने लगा, जबकि झोपडियों में रखे घरेलू गैस सिलेंडरों में लगातार विस्फोट होते रहे।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर मोदीनगर और लोनी फायर स्टेशन से भी अतिरिक्त दमकल वाहन भेजे गए तथा पड़ोसी जनपद गौतमबुद्ध नगर से सहायता मांगी गई। घटनास्थल पर पहुंची फायर सर्विस यूनिट्स ने चारों दिशाओं से पानी की बौछार शुरू कर आग बुझाने का अभियान चलाया। गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न फायर स्टेशनों से पहुंचे कुल 22 फायर टेंडरों, नगर निगम के हाई प्रेशर वाटर टैंकरों तथा टाटा स्टील साहिबाबाद और नॉर्थ इंडिया मॉल से पहुंचे अतिरिक्त दमकल वाहनों की मदद से लगभग दोपहर 2 बजे आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इसके बाद गिरे हुए ढांचों के नीचे सुलग रही आग को बुझाने और अत्यधिक गर्म स्थानों की कूलिंग का कार्य शुरू किया गया। अग्निशमन विभाग, पुलिस, सिविल डिफेंस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों ने लगातार सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया, जिससे किसी व्यक्ति के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी गाजियाबाद, पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन क्षेत्र, उपजिलाधिकारी सदर, सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की निगरानी की।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के नेतृत्व में फायर सर्विस टीम ने साहस और समन्वय का परिचय देते हुए तेजी से कार्रवाई की, जिसकी स्थानीय प्रशासन और नागरिकों ने सराहना की। अधिकारियों के अनुसार लगभग 125 से अधिक झुग्गी-झोपडियां, स्क्रैप के गोदाम तथा एक डॉग शेल्टर आग में जलकर नष्ट हो गए हैं।

नुकसान के सही आकलन के लिए संबंधित विभागों द्वारा सर्वेक्षण कराया जा रहा है। शाम करीब 4 बजे आग को पूरी तरह बुझा दिया गया, हालांकि घटनास्थल की गर्मी कम करने के लिए कूलिंग कार्य देर शाम तक जारी रहा। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है। अग्निशमन विभाग की तत्परता और समन्वित प्रयासों ने संभावित बड़ी जनहानि को टालते हुए एक बड़े हादसे को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खोड़ा-मकनपुर में विकास की नई धारा: जलापूर्ति पाइपलाइन का शिलान्यास, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकनपुर क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली, जब उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील कुमार शर्मा तथा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने संयुक्त रूप से विभिन्न वार्डों में जलापूर्ति हेतु पाइपलाइन विस्तार कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही वार्ड-26 में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि खोड़ा-मकनपुर क्षेत्र में पेयजल की समस्या को समाप्त करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन विस्तार कार्य केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि हर घर तक स्वच्छ और पर्याप्त जल पहुंचाने का संकल्प है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में क्षेत्र में पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी और प्रत्येक नागरिक को नियमित पेयजल उपलब्ध होगा।

उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर जल' के विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। पहले जहां लोगों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी या टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब घर-घर नल से जल पहुंचाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर देते हुए मंत्री ने वार्ड-26 में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के लोकार्पण को क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से स्थानीय लोगों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और समय पर उपचार मिल सकेगा।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि खोड़ा पेयजल आपूर्ति योजना (प्रथम चरण) का शिलान्यास क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक कदम है। यह परियोजना वर्षों पुरानी जल समस्या के समाधान में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर घर तक शुद्ध जल पहुंचाना और नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी गाजियाबाद रविन्द्र कुमार, उपजिलाधिकारी अरुण दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित विक्रम, डॉ. राकेश गुप्ता, ज्ञानेन्द्र मिश्र, शैलेंद्र सिंह (अधिशासी अधिकारी, खोड़ा) सहित नगर पालिका के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महामाया स्टेडियम को मिलेगा नया रूप, खेल मंत्री ने किया निरीक्षण—विकास कार्य तेज करने के निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम के कायाकल्प की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरीश चन्द यादव ने स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र और गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल भी मौजूद रहे। खेल मंत्री ने स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ, बड़े हॉल में फ्लोरिंग, खिड़की-दरवाजे और विद्युत कार्यों से संबंधित प्रस्ताव जल्द से जल्द खेल निदेशालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम में सिंथेटिक रनिंग ट्रैक, बाउंड्री वॉल निर्माण और अन्य खेल अवस्थापनाओं के जीर्णोद्धार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने पर जोर दिया। साथ ही निर्माण कार्य कर रही संस्था को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि जिले के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। खेल मंत्री ने स्पष्ट कहा कि स्टेडियम के सभी निर्माण कार्य जल्द पूरे हों, जिससे स्थानीय बालक-बालिका खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस संबंध में अधिशासी अभियंता, यूपी सिडको को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन का मानना है कि इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद महामाया स्टेडियम जिले में खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

महापौर सुनीता दयाल ने किए 1.20 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास

सड़क-नाली निर्माण के साथ पार्कों के सौंदर्यीकरण पर विशेष फोकस

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम के अंतर्गत आने वाले कविनगर जोन में महापौर सुनीता दयाल ने गुरुवार को विभिन्न क्षेत्रों में लगभग एक करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। महापौर ने पारंपरिक रूप से नारियल फोड़कर कार्यों की शुरूआत की और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देने की बात कही।

इन विकास कार्यों में सड़क एवं नाली निर्माण के साथ-साथ पार्कों के सौंदर्यीकरण को भी शामिल किया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को बुनियादी सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। शिलान्यास के अंतर्गत वार्ड 46 की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में गली नंबर 13 में चमन तेवतिया के मकान से रवि कुमार के मकान तक लगभग 18 लाख रुपये की लागत से सड़क व नाली निर्माण कराया जाएगा। इसी वार्ड के गार्डन एनक्लेव क्षेत्र में लोकेन्द्र कुमार के मकान से तालियान के मकान तक लगभग 22 लाख रुपये की लागत से सड़क एवं नाली निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। वार्ड 47 शास्त्री नगर में सेक्टर 60 और 61 के सामने जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगभग 14 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण कराया जाएगा। वहीं वार्ड 18 रजापुर बाल्मीकि बस्ती में विभिन्न गलियों में नाली और सड़क निर्माण पर लगभग 18 लाख 11 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त वार्ड 47 महेंद्रा एन्क्लेव में सी-33 से 29 तक लगभग 7 लाख रुपये की लागत से सड़क एवं नाली निर्माण तथा वार्ड 56 चिरंजीव विहार स्थित सेंट्रल पार्क के सौंदर्यीकरण पर लगभग 40 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम लगातार सड़क और नाली निर्माण कार्य कर रहा है, लेकिन अब शहर में हरियाली बढ़ाने और बेहतर वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पार्कों के सौंदर्यीकरण और हरित विकास की योजनाएं शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से मिली जिम्मेदारी को निभाते हुए नगर निगम प्रत्येक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान महापौर ने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के विशेष शिविर में तीसरे दिन 99 मामलों का समाधान

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा गुरुवार को आयोजित रजिस्ट्री एवं नामांतरण विशेष शिविर के तीसरे दिन उल्लेखनीय सफलता दर्ज की गई। बड़ी संख्या में आवंटियों ने शिविर में पहुंचकर अपनी लंबित समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। प्राधिकरण की ओर से पारदर्शी और त्वरित कार्यवाही करते हुए कुल 99 प्रकरणों का सफल निस्तारण किया गया, जिससे आवंटियों को महत्वपूर्ण राहत मिली। शिविर में व्यवस्था और कार्यप्रणाली को सरल बनाते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही आवेदनों की जांच और प्रक्रिया आगे बढ़ाने का कार्य किया। शिविर के दौरान रजिस्ट्री से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 37 आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित तथा 7 आवेदन सामान्य योजना के अंतर्गत थे। प्राप्त आवेदनों पर तुरंत कार्यवाही करते हुए 34 आवंटियों की रजिस्ट्री अनुमोदन के लिए पत्रावलियां अग्रेषित की गईं। इसके अतिरिक्त 22 आवेदकों की रजिस्ट्री शीघ्र तैयार करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए, जबकि 19 मामलों को पंजीकरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कराने के लिए पंजीकरण कार्यालय भेजा गया। नामांतरण यानी नाम दर्ज से संबंधित कार्यों में भी शिविर के दौरान उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। इस श्रेणी में 6 नए आवेदन प्राप्त हुए, जबकि पूर्व से लंबित मामलों में से 24 प्रकरणों का सफल निस्तारण कर आवंटियों को नाम दर्ज प्रमाण पत्र जारी किए गए। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इस विशेष अभियान का उद्देश्य वर्षों से लंबित प्रक्रियाओं को तेज गति से पूर्ण कर नागरिकों को राहत प्रदान करना है।

प्राधिकरण प्रशासन ने रजिस्ट्री कार्यों में तेजी बनाए रखने के लिए सभी रजिस्ट्री लिपिकों को 17 एवं 18 अप्रैल को कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। इन तिथियों पर प्राधिकरण स्तर पर रजिस्ट्री पत्र तैयार किए जाएंगे। इसके बाद तैयार दस्तावेजों को 20, 21 और 22 अप्रैल को पंजीकरण कार्यालय में प्रस्तुत कर विधिवत पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। प्राधिकरण ने सभी आवंटियों से अपील की है कि वे विशेष शिविर का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपनी लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। शिविर प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक गाजियाबाद विकास प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0120-4418384 पर संपर्क किया जा सकता है।

राजेंद्र नगर में बेसमेंट में बनी 16 दुकानों समेत कई अवैध हिस्से ध्वस्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने गुरुवार को अवैध निर्माण और अनधिकृत गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए राजेंद्र नगर क्षेत्र में व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निदेर्शों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन-07 की टीम ने गुरुवार को अवैध निमार्णों पर कार्रवाई करते हुए कई स्थानों पर बने अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई लगातार मिल रही शिकायतों और क्षेत्र में बढ़ रहे अनधिकृत निमार्णों को रोकने के उद्देश्य से की गई।

अभियान के दौरान राजेंद्र नगर, साहिबाबाद स्थित भूखंड संख्या 4/13, सेक्टर-5 में बेसमेंट और स्टिल्ट क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित 16 दुकानों को ध्वस्त किया गया। इसके अतिरिक्त भूखंड संख्या 2/14 और 2/16, सेक्टर-2 पर मम्टी के बराबर बनाए गए अतिरिक्त कमरों को भी अवैध मानते हुए तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-07 की पूरी टीम, प्राधिकरण पुलिस बल तथा प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से की जाएगी।

आने वाले वर्षों में हर वंचित वर्ग अपनाएगा बाबा साहब की विचारधारा: सिकंदर यादव

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में गाजियाबाद के अंबेडकर पार्क, नवयुग मार्केट में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान 'जय भीम' के नारों से वातावरण गूंजता रहा। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सिकंदर यादव ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, भगवान बुद्ध और संत कबीर की विचारधारा पर विस्तार से अपने विचार रखे और समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने का आ'ान किया। अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए सिकंदर यादव ने श्री सद्गुरु महाराज को नमन किया और कहा कि गुरु की कृपा से ही उन्हें भगवान बुद्ध और बाबा साहब के महान विचारों को समझने और अपनाने का अवसर मिला। उन्होंने मंच पर उपस्थित वरिष्ठ नेता डी.पी. यादव का विशेष उल्लेख करते हुए उनके संघर्षपूर्ण जीवन को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानी से लेकर राज्यसभा तक का उनका सफर समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे वास्तव में एक 'लिविंग लीजेंड' हैं। सिकंदर यादव ने कहा कि वे पिछले 14 वर्षों से लगातार इस मंच से जुड़े हुए हैं और हर बार यहां आकर उन्हें अपनापन महसूस होता है। उन्होंने कहा कि इस मंच से जुड़े लोग गौतम बुद्ध, बाबा साहब और कबीर की समानता, भाईचारे और मानवता की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब की विचारधारा अब केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व स्तर पर फैल रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हंगरी में रहने वाले रोमा समुदाय ने बाबा साहब की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई, उनकी प्रतिमा स्थापित की और 'जय भीम' के नारे लगाए। आज 25 से अधिक देशों में उनकी जयंती मनाई जा रही है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। अपने भाषण में उन्होंने बाबा साहब की प्रसिद्ध पुस्तक अल्लल्ल्ँ"३ब्ल्ल ड्ढा उं२३ी और बुद्ध और उसका धम्म का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के विचार पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक हैं और भेदभाव समाप्त करने के लिए उनके सुझाव आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध के कर्म, प्रयास और पंचशील के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने पर बल दिया। सिकंदर यादव ने कहा कि आज भी कुछ शक्तियां संविधान और आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में समाज को जागरूक रहना होगा और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बाबा साहब एवं भगवान बुद्ध के विचारों को अपनाना होगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम मील का पत्थर: मौर्य

भाजपा नोएडा महानगर द्वारा भव्य 'नारी शक्ति वंदन टाउन हॉल' कार्यक्रम आयोजित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर में जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के निमित्त भव्य 'नारी शक्ति वंदन टाउन हॉल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष बिमला बॉथम, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं जिला प्रभारी कांता कर्दम तथा पूर्व महिला आयोग उपाध्यक्ष सुषमा सिंह सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि दशकों से लंबित इस मांग को पूरा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की आधी आबादी को उनका अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल 33% आरक्षण का विषय नहीं, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व, निर्णय क्षमता और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका देने का संकल्प है। 'सशक्त नारी, सशक्त भारत' के मूल मंत्र को साकार करते हुए यह अधिनियम महिलाओं को नई ऊर्जा और अवसर प्रदान करेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम सतेंद्र सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसे धरातल पर उतारा गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद कांता कर्दम ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय जनता पार्टी की महिलाओं के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कार्य किया है, वह 'सशक्त नारी, सशक्त भारत' के विजन को साकार करने वाला है। जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी कार्यकताओं को इस ऐतिहासिक अधिनियम को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। नारी शक्ति वंदन अभियान संयोजक महेश अवाना एवं कार्यक्रम की अद्भुत संचालिका प्रज्ञा पाठक शर्मा तथा कार्यक्रम संयोजक उमेश त्यागी, डिंपल आनंद, पूनम सिंह, गिरिजा सिंह, मीनाक्षी चौहान, ऊषा रावत, शारदा चतुर्वेदी, सुचित्रा पाठक कक्कड़, मोनिका श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, मंजू शर्मा, शुभ्रा आनंद, अनुराधा शर्मा, दीपाली दीक्षित, रचना जैन, प्रीति, तूलिका शर्मा, आरती सिंह, शालिनी पाठक, संतोष त्रिपाठी, ज्योति श्रीवास्तव, नीतू चौहान, बबीता नागर, लक्ष्मी पटवाल सहित इत्यादि महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्कूल टॉपर वंश चौधरी बनना चाहते हैं इंजीनियर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

टप्पल। बुधवार को आए सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में कस्बा जट्टारी के बाबूजी कान्वेंट स्कूल के वंश चौधरी पुत्र विपिन कुमार ने 97.2% अंक पाकर विद्यालय टॉप किया। इसके बाद दीक्षा अत्री ने विद्यालय में दूसरा, विद्यांशु मालान ने तीसरा, तनिष्क अत्री ने चौथा और दक्ष अत्री ने विद्यालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रबंधक राकेश अत्री ने बताया कि विद्यालय का प्रणाम शत प्रतिशत रहा है। प्रबंधक राकेश अत्री व प्रिंसिपल सुमित चौहान ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी। वहीं बीते दिन वंश चौधरी का कस्बा जट्टारी में स्कूल टॉप करने पर स्वागत किया गया। वंश चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया और बताया कि वह भविष्य में इंजीनियर बनना चाहते हैं।

रोशनी की नई राह: पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम

पीएम सूर्य घर योजना लाभ उठाने हेतु आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर: मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में तेजी से कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर प्रत्येक परिवार को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रभारी परियोजना अधिकारी यूपीनेडा गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसोदिया ने बताया कि यह योजना आम लोगों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे बिजली खर्च में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योजना के तहत सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है। 1 किलोवाट पर 45 हजार रुपये, 2 किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा 3 से 10 किलोवाट तक के सोलर प्लांट पर अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक लाभार्थी योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया में पहले पंजीकरण करना होता है, उसके बाद आवेदन पत्र भरकर संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) से अनुमोदन लेना होता है। स्वीकृति मिलने के बाद सोलर पैनल स्थापित कर नेट मीटरिंग की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। योजना के तहत 3 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम के लिए लगभग 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर बिना किसी गारंटी के ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। साथ ही उसके पास स्वयं का छतयुक्त मकान और वैध बिजली कनेक्शन होना चाहिए। आवेदक ने पहले किसी अन्य सोलर सब्सिडी योजना का लाभ न लिया हो। आवेदन के लिए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, नवीनतम बिजली बिल, मोबाइल नंबर और बैंक खाते की जानकारी आवश्यक है। इस योजना की खास बात यह है कि उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर उसे ग्रिड को बेच भी सकते हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्यदिवस में यूपीनेडा कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा में संपर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

किसानों को 10 दिन में मुआवजा देने के निर्देश, फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एसबीआई जनरल इन्श्योरेन्श कंपनी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि किसानों को फसल क्षति की क्षतिपूर्ति अधिकतम 10 कार्य दिवस के भीतर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पात्रता की श्रेणी में आने वाले प्रत्येक किसान को समयबद्ध तरीके से मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। उप कृषि निदेशक, सोनभद्र ने जानकारी दी कि खरीफ वर्ष 2025 में जनपद के 19,080 किसानों ने फसल बीमा कराया था। इसके अंतर्गत व्यक्तिगत एवं क्रॉप कटिंग के आधार पर 6,425 किसानों को कुल 826.98 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। शेष 151.00 लाख रुपये की धनराशि आधार आधारित प्रक्रिया के कारण लंबित है, जो प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 में असामयिक वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण कुल 11,483 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8,432 आवेदन पात्र पाए गए और उनका भुगतान किया गया, जबकि 3,051 आवेदन अपात्रता के कारण निरस्त किए गए।

जिलाधिकारी ने बीमा कंपनी से किसानों के लिए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। इस पर बताया गया कि किसान व्यक्तिगत क्षति की स्थिति में भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 14447 पर 72 घंटे के भीतर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने लंबित दावों के सर्वे में देरी पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि यदि समय पर सर्वे नहीं किया गया, तो सभी 4,764 लंबित दावों का भुगतान किसानों को सुनिश्चित किया जाए। बैठक में यह भी बताया गया कि खरीफ 2024 की तुलना में खरीफ 2025 में 5,000 से अधिक अतिरिक्त किसानों ने बीमा कराया है। जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक, इंडियन बैंक को निर्देश दिया कि खरीफ 2026 में अधिक से अधिक केसीसी धारक किसानों का बीमा कराया जाए तथा उनका डाटा प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल पर समय से अपलोड किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर डाटा फीडिंग न होने पर संबंधित बैंक जिम्मेदार होगा। जिलाधिकारी ने बीमा कंपनी को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर किसान पाठशालाओं, पंपलेट वितरण, बाइक रैली आदि के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें।

दुष्कर्म व ब्लैकमेल मामले में सबूतों के अभाव में आरोपी को संदेह का लाभ, फास्ट ट्रैक कोर्ट ने किया दोषमुक्त

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। युवती से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाने और वायरल करने की धमकी देने के मामले में आरोपित को अदालत से बड़ी राहत मिली है। फास्ट ट्रैक कोर्ट (द्वितीय) सुनील कुमार की अदालत ने बंजरवां, फूलपुर निवासी अजय यादव को आरोप सिद्ध न होने पर संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, गाजीपुर की एक युवती ने फूलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि विवाह से पूर्व आरोपी ने धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करता रहा। विवाह के बाद भी आरोपी द्वारा वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया गया था। पीड़िता ने लोकलाज के कारण पहले बात छिपाई, बाद में अत्याचार बढ़ने पर रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, बृजपाल सिंह यादव गुड्डू, नरेश यादव और संदीप यादव ने पक्ष रखते हुए आरोपों को निराधार बताया। सभी साक्ष्यों और गवाहियों के विश्लेषण के बाद अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि एकमात्र साक्षी के आधार पर दोषसिद्धि तभी संभव है जब साक्ष्य पूर्णतः विश्वसनीय और असंदिग्ध हों। इन्हीं आधारों पर न्यायालय ने आरोपी अजय यादव को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

गर्मी ने झुलसाया, दूसरे दिन भी 38 डिग्री पार रहा पारा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। अप्रैल के 15 दिन बीतते ही गर्मी रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। पिछले दो दिन से शहर का तापमान 38 डिग्री से अधिक बना हुआ है और ऐसे में शहरवासियों को सुबह से हो रही तेज धूप परेशान कर रही है। एक ओर गर्मी और दूसरी ओर प्रदूषण की मार लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। लगातार दूसरे दिन भी नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स ऑरेंज जोन में दर्ज किया गया। जबकि ग्रेटर नोएडा देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक बृहस्पतिवार को जिले का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 313 और नोएडा का एक्यूआई 255 रहा। अगले 4-5 दिन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। फिलहाल हीटवेव चलने की संभावना नहीं बन रही है।

बच्चों के परिणाम को केवल प्रतिशत के आधार पर न आंकें अभिभावक: नरेश नौटियाल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। देश के विभिन्न बोर्डों, विशेषकर सीबीएसई एवं एमपी बोर्ड के 10वीं कक्षा के परिणाम घोषित होने पर समाजसेवी नरेश नौटियाल ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा सभी से एक विनम्र निवेदन है कि बच्चों के परिणाम को केवल 'प्रतिशत' के आधार पर न आंकें। हर बच्चे के भीतर एक अलग प्रतिभा और क्षमता होती है, जिसे पहचानना और सही दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। कृपया 11वीं एवं 12वीं के विषयों का चयन करते समय बच्चों की रुचि और इच्छा को प्राथमिकता दें। जब बच्चा अपने मनपसंद विषय पढ़ता है, तो वह बेहतर प्रदर्शन करता है और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। आज के समय में केवल किताबों की पढ़ाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कॉमन सेंस, व्यवहारिक समझ और विशेष कौशल ही जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता बनाते हैं। इसलिए बच्चों के अंदर छिपी किसी न किसी स्किल को पहचानें और उसे विकसित करने में सहयोग करें। एक सकारात्मक सोच के साथ हम अपने बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं।

आरएलडी की दो महिला प्रवक्ता पर खिलाफ केस दर्ज, माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। अपनी मांगों को लेकर श्रमिकों द्वारा किया गया प्रदर्शन नोएडा पुलिस की सख्त कारवाई के बाद अब नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। पुलिस ने अब इस हिंसक प्रदर्शन के आरोपियों की पहचान करनी शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में नोएडा पुलिस ने राष्ट्रीय जनता दल की दो महिला प्रवक्ता कंचन यादव और प्रियंका भारती के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों ने भ्रामक वीडियो साझा कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। बता दें कि हाल ही में नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों ने प्रदर्शन किया था। कुछ जगहों पर यह प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसके बाद पुलिस ने सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे लेकर दावा किया गया कि पुलिस कार्रवाई में अति कर रही है इसी मामले में नोएडा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

नोएडा पुलिस का कहना है कि कंचन यादव और प्रियंका भारती ने जिस वीडियो को साझा किया, वह भ्रामक था और उसे गलत संदर्भ में पेश किया गया पुलिस के अनुसार, इस तरह के पोस्ट से इलाके में डर और अविश्वास का माहौल बना। साथ ही पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गयी। इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(1)(बी) और आईटी एक्ट की धारा 66 व 66डी के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में किफायती और सुरक्षित रहने का विकल्प बना अन्नपूर्णा हॉस्टल

ग्रेटर नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा में छात्रों, कामकाजी युवाओं और यात्रियों के लिए किफायती, सुरक्षित और आरामदायक रहने की सुविधा के रूप में अन्नपूर्णा हॉस्टल उभरकर सामने आया है। हाल ही में इसे कम लागत में बेहतर सुविधाएं देने वाले प्रमुख आवास विकल्पों में शामिल किया गया है। शहर में बढ़ती शिक्षा और रोजगार के अवसरों के चलते रहने की सुविधाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अन्नपूर्णा हॉस्टल आधुनिक सुविधाओं, साफ–सफाई और सुरक्षित माहौल के साथ लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। अन्नपूर्णा हॉस्टल के चेयरपर्सन कुंवर गौरव गिरी के अनुसार, उनका मुख्य उद्देश्य निवासियों को एक ऐसा स्थान देना है जहां उन्हें आराम, सुरक्षा और आसानी से सभी जरूरी सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि हॉस्टल में साफ–सुथरे और अच्छी तरह से मेंटेन किए गए कमरे, जरूरी घरेलू उपकरणों के साथ उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे रहने वालों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा कि हॉस्टल का वातावरण इस तरह से तैयार किया गया है कि यहां रहने वाले लोग आपस में जुड़ सकें और एक सामुदायिक माहौल का अनुभव कर सकें। इसके लिए समय–समय पर सामूहिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाता है। अन्नपूर्णा हॉस्टल शारदा यूनिवर्सिटी और गलगोटिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थानों के पास स्थित है, जिससे छात्रों और प्रोफेशनल्स को रोजाना आने–जाने में आसानी होती है। इसके अलावा आसपास रेस्टोरेंट, शॉपिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं भी आसानी से उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा में इस तरह के किफायती और सुविधाजनक आवास विकल्पों की मांग और बढ़ेगी, जहां अन्नपूर्णा हॉस्टल जैसे संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उड़ रही धूल से ग्रेनो बना देश का सबसे प्रदूषित शहर

ग्रेटर नोएडा। लगातार उड़ रही धूल के कारण ग्रेटर नोएडा की हवा भी काफी प्रदूषित हो गई है। धूल के कारण बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक रेड जोन में पहुंच गया है। 313 एक्यूआई के साथ ग्रेनो देश का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी रहा। जबकि दूसरे नंबर पर गाजियाबाद रहा। इनके अलावा अन्य किसी शहर का एक्यूआई रेड जोन में नहीं रहा हैं। गर्मी शुरू होने के साथ ही ग्रेटर नोएडा का वायु प्रदूषण ऑरेंज और येलो जोन में बना हुआ है। बारिश के दौरान एक्यूआई ग्रीन जोन में 100 से कम भी रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिन से लगातार उड़ रही धूल ने ग्रेनो की हवा को खराब कर दिया। मंगलवार और बुधवार को ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई ऑरेंज जोन में रहा था। जो बृहस्पतिवार को रेड जोन में पहुंच गया। ग्रेनो का एक्यूआई 313 रहा। इनमें ग्रेनो वेस्ट की भूमिका अहम रही है। ग्रेनो का एक्यूआई रेड जोन में 350 से अधिक रहा है।

पीएमएफएमई योजना के तहत मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट का जिलाधिकारी ने फीता काट कर किया उद्घाटन

मिलेट्स यूनिट से किसानों को मिलेगा बेहतर दाम व रोजगार: डीएम

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में किसानों को सशक्त बनाने और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पन्नूगंज क्षेत्र के मझिगावा में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत स्थापित मिलेट्स (मोटा अनाज) प्रोसेसिंग यूनिट का उ द्घाटन जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम द्वारा किया गया। यह यूनिट स्थानीय उद्यमी प्रदीप कुमार गुप्ता द्वारा स्थापित की गई है, जिसके लिए बैंक से 13 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जबकि योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत अनुदान भी प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह जनपद की पहली नवाचार आधारित मिलेट्स प्रोसेसिंग इकाई है, जिसमें लगभग 92 प्रकार के मोटे अनाजों की प्रोसेसिंग की क्षमता है। उ द्घाटन के दौरान कोदो, सावां और चिरौंजी जैसे उत्पादों का सफल ट्रायल भी किया गया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की इकाइयों से किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही, इससे जनपद की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि सोनभद्र जनपद मोटे अनाज के उत्पादन के लिए पहले से ही जाना जाता है और इस पहल से यहां के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी, अधिशासी अभियंता (पीडब्ल्यूडी) सहित अन्य अधिकारीगण और स्थानीय उद्यमी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

लोकतंत्र में स्वस्थ राजनीति की आवश्यकता

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण का महत्वपूर्ण साधन है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीति कितनी जिम्मेदार, पारदर्शी और जनहितकारी है। लेकिन वर्तमान समय में राजनीतिक वातावरण को देखकर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी राजनीति वास्तव में जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतर रही है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों और नेताओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के हितों की रक्षा करना और विकास के मार्ग को मजबूत करना होती है। चुनाव के समय नेता जनता से अनेक वादे करते हैं—रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विकास के वादे। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि चुनाव समाप्त होने के बाद इन वादों को भूल जाना आम बात हो जाती है। इससे जनता के बीच राजनीति के प्रति अविश्वास बढ़ने लगता है। आज की राजनीति में विचारों और नीतियों से अधिक महत्व आरोप–प्रत्यारोप और व्यक्तिगत हमलों को मिलने लगा है। राजनीतिक बहस का स्तर गिरता जा रहा है। संसद और विधानसभाओं में गंभीर मुद्दों पर चर्चा के बजाय कई बार शोर–शराबा और गतिरोध देखने को मिलता है। यह स्थिति लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं है। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, लेकिन कई बार वोट बैंक की राजनीति के कारण समाज में विभाजन की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिशें लोकतंत्र को कमजोर करती हैं। देश के विकास के लिए आवश्यक है कि राजनीति समावेशी हो और सभी वर्गों के हितों को समान रूप से ध्यान में रखे। हालांकि यह भी सच है कि भारत के लोकतंत्र ने कई सकारात्मक उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश में आधारभूत संरचना, डिजिटल सेवाओं और सामाजिक योजनाओं के विस्तार में तेजी आई है। कई योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। यह दशार्ता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो परिवर्तन संभव है। लेकिन केवल सरकार ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भूमिका भी लोकतंत्र में उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। एक मजबूत और जिम्मेदार विपक्ष सरकार की नीतियों पर निगरानी रखता है और जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाता है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों का संतुलन आवश्यक है। अंतत: यह भी याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता में निहित होती है। मतदाता यदि जागरूक और सजग होंगे, तो राजनीति भी जिम्मेदार बनेगी। चुनाव के समय केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार की नीतियों, कार्यशैली और ईमानदारी को ध्यान में रखकर मतदान करना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति को केवल सत्ता संघर्ष के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे राष्ट्र सेवा के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाए। जब राजनीति में शुचिता, जवाबदेही और जनसेवा की भावना मजबूत होगी, तभी लोकतंत्र वास्तव में सशक्त और सफल बन सकेगा।

बिहार में विकास सम्बन्धी चुनौतियों को अवसरों में बदलना होगा नए सम्राट को!

कमलेश पांडे

बिहार के नए सम्राट को फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का ताज मिला है। चाहे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हों, या पूर्व मुख्यमंत्री दम्पत्ति लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, कभी भी चैन पूर्वक राज नहीं कर सके। लिहाजा, मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी उन जातीय और साम्प्रदायिक चुनौतियों से जूझना होगा, जो बिहार के विकास में शुरू से ही बाधक समझी गई हैं। लेकिन जिस प्रकार से आधुनिक बिहार के निमार्ता और प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा को कांग्रेस के सहयोग से लंबे समय तक राज करते हुए जनसेवा का मौका मिला, वैसी ही मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भाजपा के सहयोग से जनसेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा भी है कि पार्टी ने उन्हें पद नहीं, जनसेवा का अवसर दिया है, इसलिए विकास, सुशासन और समृद्धि उनके शासन का मूलमंत्र होगा। बिहार के आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि बिहार के विकास में श्रीकृष्ण सिन्हा के बाद नीतीश कुमार ने एक बड़ी रेखा खींचने की कोशिश की, प्रगति नजर भी आई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और हाल के वर्षों में उत्तरप्रदेश के विकास को देखा जाए तो अब भी बिहार के विकास में कई बड़ी बड़ी चुनौतियाँ बाकी हैं, जो आंकड़ों और राज्य की सामाजिक आर्थिक स्थिति को देखने पर साफ दिखती हैं। इसलिए भाजपा की सरकार के सुलझे हुए और समावेशी प्रवृति वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी बिहार के समग्र विकास के लिए निम्नलिखित चुनौतियों से जूझना होगा। लेकिन अपने मृदु स्वभाव से वे एक एक करके इनसे पार पा जाएंगे, ऐसा मुझे दृढ़ विश्वास है।

पहला, निर्धनता, रोजगार और मानव पूंजी के नजरिए से विकास

आंकड़े बताते हैं कि बिहार, भारत के सबसे कम आय वाले राज्यों में शुमार है, जहां गरीबी दर अभी भी काफी ऊँची है और रोजगार की गुणवत्ता कमजोर है। समझा जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश कम होने के कारण यहां की 'मानव पूंजी' कमजोर है- साक्षरता और स्किल लेवल अभी भी देश के स्तर से काफी नीचे हैं, जिससे युवाओं को अच्छे रोजगार के अवसर मिलने में दिक्कत होती है। ऐसे में यदि अपराध, जातीय सोच और सांप्रदायिक मिजाज को हतोत्साहित करके इन लक्ष्यों को पाया जा सकता है। इसके लिए अप्रवासी बिहारियों और बिहार मूल के एनआरआई को आकर्षित करने वाली योजनाओं को बनाना होगा और उनपर दृढ़तापूर्वक अमल करना होगा।

दूसरा, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता के चलते उत्पादकता बढ़ाने पर देना होगा ध्यान

यद्यपि हार की आबादी का बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, लेकिन उत्पादकता और आय दोनों ही अपेक्षाकृत कम हैं। ऐसा इसलिए कि उत्तर बिहार 4 महीना बाढ़ से आक्रांत रहता है और तभी दक्षिण बिहार सूखा से जूझ रहा होता है। खेती और बागवानी यहां पर होती तो है, लेकिन भंडारण सुविधाएँ, बाढ़ प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन और बारहमासी सिंचाई की सीमित पहुँच जैसे कारकों के कारण कृषि अभी भी बहुत जोखिम भरी और कम लाभ वाली काम साबित होती है। लिहाजा किसानों और मजदूरों के बच्चे परदेश कमाने चले जाते हैं और अपनी उद्यमिता से सबको सुख पहुंचाते हैं।

तीसरा, औद्योगिक विकास और निवेश की दिक्कत सबसे बड़ी अड़चन

बिहार में 26 साल पहले हुए राज्य विभाजन के बाद औद्योगिक आधार छोटा हुआ है, क्योंकि अधिकांश बड़े उद्योग-धंधे झारखंड के हिस्से में चले गए। ततपश्चात छोटे और कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग तकनीकी पिछड़ेपन और वित्तीय अभाव के कारण इनका समग्र विस्तार नहीं हो पा रहे हैं। इस स्थिति को बदलना होगा। इस कारण और निजी निवेश की दृष्टि से बिहार अभी भी 'निवेश अनुकूल' राज्यों की पहली पंक्ति में नहीं है, बल्कि तेजी के साथ उद्योग बढ़ाने की चुनौती बरकरार है। ऐसे में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व को चाहिए कि वह महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर बिहार-उत्तरप्रदेश में औद्योगिक विकास की गति तेज करे, क्योंकि इन दोनों राज्यों में औद्योगिक रफ्तार तेज होने से लुक ईस्ट की विदेश नीति को मजबूत आधार मिलेगा।

चौथा, बुनियादी ढांचा और शहरीकरण में निवेश और विस्तार

बिहार में सड़क नेटवर्क, बिजली, जल सुविधा, नालियाँ, जनस्वास्थ्य और शहरी बुनियादी ढांचा अभी भी प्रमुख रूप से कमजोर जगह बनी हुई हैं। चाहे स्थापित शहर हों या कस्बाई शहर, यहां शहरीकरण बहुत धीमी गति से हो रहा है, जिससे औद्योगिक सेवा अर्थव्यवस्था को उतना बल नहीं मिल पा रहा जितना दूसरे विकसित राज्यों में मिला है। इसलिए नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस ओर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि रोजगार के सृजन में इस क्षेत्र का बड़ा इगड6 होता है।

पांचवां, जनस्वास्थ्य और सार्वजनिक सेवाएँ बेहतर करना

बिहार के शहरी इलाकों की अपेक्षा ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएँ बेहद कमजोर हैं- खासकर डॉक्टर आबादी अनुपात कम, स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या पर्याप्त नहीं है और कुपोषण जैसी समस्याएँ अभी भी गंभीरबनी हुई हैं। इसी तरह पीडीएस , राशन, योजनाओं के वितरण में धांधली, रिसाव और कार्यान्वयन की कमजोरी विकास के लाभों को गरीबों तक पहुँचने से रोकते हैं। इस स्थिति में अमूलचूल बदलाव लाना होगा, ताकि स्थिति बदले।

छठा, शासन, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था पर कम ध्यान

बिहारी में जब भी नेतृत्व परिवर्तन होता है तो शासन, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था में बदलाव की उम्मीदें बंधती हैं, लेकिन बाद में सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। अब इस स्थिति को बदलना होगा। क्योंकि कई रिपोर्टों में बिहार को भ्रष्टाचार, निष्पक्ष नियोजन और प्रशासनिक दक्षता की दिक्कत से जूझता हुआ देखा गया है, जिससे बजट का अच्छे तरीके से उपयोग होना मुश्किल होता है। वहीं, कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रियाओं में देरी निवेशक और नागरिक दोनों के लिए चिंता का मुद्दा है। इसलिए नए मुख्यमंत्री को इसे समझना होगा और विशेष टास्क फोर्स का गठन कर इस स्थिति को बदलना होगा। इसी में बिहार का हित निहित है।

सातवां, क्षेत्रीय असमानता और जाति धर्म की संवेदनशील राजनीति

अनुभव बताता है कि बिहार में अलग अलग जिलों के बीच विकास का अंतर बड़ा है; कुछ शहर आगे बढ़ रहे हैं तो बहुत से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्र विकास 'समीक्षा चक्र' से बाहर रह जाते हैं।

साथ ही, जाति आधारित राजनीति और आरक्षण संबंधी विवाद नीतियों को लंबे समय तक टिकाने और निष्पक्ष ढंग से लागू करने में बाधा बनते हैं। इसलिए सूझबूझ पूर्वक इन चुनौतियों को अवसर में बदलना होगा। इससे सबका हित सधेगा और बिहार विकास के नए कीर्तिमान खड़े करेगा। इस यश नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिलेगा। भाजपा को मिलेगी।

नारी वंदन

नीति बुद्धवार

नारी तुझे हर कोई वंदन करता
पर दिया ना कोई सम्मान है
नारी तू शक्ति है
पर फिर भी है असहाय तू
नारी तूने जन्म दिया महापुरुष को
फिर भी है पुरुष के अधीन तू
नारी तू झाँसी की रानी है
फिर भी अबला कहलाये तू
तुझ को हर कोई वंदन करता
पर दिया ना कोई सम्मान है।
आज वह घड़ी आई
जब मिल रहा तुझे वह सम्मान है
33%आरक्षण दे कर मोदी कहलाये महापुरुष वोह जिसने सचे दिल से
किया हर नारी को वंदन
और दिया हर सम्मान है
आज हर नारी करती उस माँ को वंदन जिसने जन्म दिया ऐसे महापुरुष
को जो कहलाये भारत माँ का लाल है।

फांसी जैसी सजा से ही रुकेंगी पुलिस हिरासत में मौतें

योगेंद्र योगी

देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुमार्ना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात करीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफ के लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी।

पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है। जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश के बिलाखेड़ी निवासी युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। पुलिस ने 8 लाख रुपये की कथित चोरी

के आरोप में उसे हिरासत में लिया था। हिरासत में मौत के बाद उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 मई को सीबीआई जांच का आदेश जारी हुआ। इस जांच के सिलसिले में एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि हिरासत में हुई मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाने वाले दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अभी भी फरार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। 4 सितंबर को दिए गए अपने आदेश का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत में हुई मौतों की रिपोर्ट सामने आई है।कोर्ट ने कहा कि इससे साफ है कि हिरासत में अत्याचार कम होने के बजाय जारी हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र की ओर से थानों में सीसीटीवी को लेकर मांगी गई रिपोर्ट न सौंपने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। केंद्र सरकार ने एक भी रिपोर्ट जमा नहीं की। जस्टिस नाथ ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार अदालत के आदेशों को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने पूछा, 'केंद्र सरकार अदालत को बहुत हल्के में ले रही है, क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच भारत में हिरासत में 11,650 मौतें हुईं। अकेले उत्तर प्रदेश में 2,630 हिरासत में मृत्युएँ दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के 2023 के विश्लेषण से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच, हिरासत में हुई मृत्युओं के संबंध में देश भर में केवल 345 मजिस्ट्रियल जाँच के आदेश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप केवल 123 गिरफ्तारियाँ हुईं। एनएचआरसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1996 और 2018 के बीच हिरासत में हुई 71% मौतें गरीब या कमजोर पृष्ठभूमि के बंदियों की थीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1997 के फैसले में गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित किए थे। जिसके तहत रिश्तेदारों को सूचित करना, गिरफ्तारी ज्ञापन रखना, चिकित्सा परीक्षण, कानूनी परामर्श, 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना अनिवार्य था। इन दिशा–निर्देशों को अनुच्छेद 141 के अंतर्गत प्रवर्तनीय कानून माना जाता है। न्यायालय का यह आदेश कहीं धूल फांक रहा है। न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में गठित भारतीय विधि आयोग ने 30 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद को सौंपी गई अपनी 273 वीं रिपोर्ट में केंद्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ के यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि करने और यातना निवारण कानून लागू करने की सिफारिश की थी।

आयोग ने यातना निवारण के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट में यातना निवारण विधेयक के अलावा विधि आयोग ने यातना उन्मूलन के उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दिया था। रिपोर्ट में यातना के खतरे को कम करने और यातना के कृत्यों पर रोक लगाने और ऐसे कृत्यों के अपराधियों के लिए कठोर दंड की सिफारिश की गई। इस रिपोर्ट के साथ संलग्न विधेयक के मसौदे में आजीवन कारावास और जुमार्ने तक के दंड का प्रावधान था।

आयोग ने न्यायसंगत मुआवजे का निर्णय न्यायालयों पर छोड़ दिया। इसके अलावा, आयोग ने यातना पीड़ितों, शिकायतकताओं और यातना के मामलों के गवाहों को संभावित खतरों, हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश भी की गई थी। 1997 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि नहीं की।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुलिस अधिकारियों ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जनसुनवाई को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में श्री केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर आए व्यक्तियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

वहीं, श्री धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त (नगर/मुख्यालय/ट्रांस हिंडन) ने भी अपने कार्यालय में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। दोनों अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक मामले में पारदर्शिता व संवेदनशीलता बनाए रखते हुए कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्र निर्माण मे महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' एक महत्वपूर्ण निर्णय

सुनीता शर्मा (समाज सेवी)

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबसे इस देश की बागडोर संभाली, तबसे उनकी सरकार की हर नीति, हर योजना महिला उत्थान को केंद्र में रखते हुए बनी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के माध्यम से बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा की बात की।शौचालय की बात करके उनके स्वास्थ्य और सम्मान की चिंता की।

गैस कनेक्शन देकर उनकी आँखों और फेफड़ों की चिंता की। उनके व्यापार के लिए बिना ब्याज के कर्ज देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया। 'लखपति दीदी' योजना के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण किया। पीएम आवास योजना के अंतर्गत उन्हें घर की मालकिन बनाया। तीन तलाक का कानून लागू कर मुस्लिम बहन-बेटियों के हक की बात की। और फिर आया नारी शक्ति वंदन अधिनियम !राजनैतिक क्षेत्र में महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए बना यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% (एक-तिहाई) सीटें आरक्षित करता है। यह आरक्षण 15 वर्षों के लिए लागू होगा, जिसे बाद में बढ़ाया भी जा सकता है। आरक्षित सीटों के भीतर ही अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) की महिलाओं के लिए उप-कोटा होगा।

परिसीमन के बाद यह कानून प्रभावी होगा, जिसके 2029 तक लागू होने की उम्मीद है। इस बिल का इतिहास बताता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी बड़े बदलावों को वर्षों तक लटका सकती है। 2008 में पेश हुआ प्रस्ताव 2010 में राज्यसभा में पारित हुआ। परंतु गठबंधन के सहयोगियों, मुख्यत: समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल एवं जनता दल यूनाइटेड के विरोध के कारण इसे लोकसभा में पेश नहीं किया गया। तत्कालीन जेडीयू के वरिष्ठ नेता शरद यादव ने तो इसके विरोध में यह तक कह दिया कि इस बिल से 'परकटी महिलाएं' सदन में आएँगी। लोकसभा के भंग होते ही यह बिल स्वत: समाप्त हो गया। जब 2023 में एनडीए सरकार ने इस बिल को फिर से पेश किया, तब भी विपक्ष द्वारा भारी विरोध हुआ। परंतु महिला सशक्तिकरण का बीड़ा उठाए इस प्रधान सेवक ने किसी विरोध की परवाह न करते हुए, नारी सम्मान के लिए इस विधेयक को समर्पित कर दोनों सदनों में पास करवाया और नाम दिया नारी शक्ति वंदन अधिनियम। राजनैतिक भागीदारी में एक निर्णायक मोड़ ! यह महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में उनकी संकल्पित प्रतिबद्धता दशार्ता एक ऐतिहासिक कदम है।

राष्ट्र निर्माण हेतु 'नीति निर्धारण' में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक अभूतपूर्व निर्णय है। 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के स्वप्न में आधी आबादी का यह एक सशक्त शंखनाद है। राजनीति में अपना उज्ज्वल भविष्य देखती उन सभी महिला कार्यकताओं के लिए यह वरदान स्वरूप है, जो अपनी-अपनी राजनीतिक पार्टियों का झंडा उठाकर उनकी विचारधारा को मजबूती से समाज तक पहुँचाने में निरंतर लगी हैं।

क्या आरक्षण ही पर्याप्त है? यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी केवल सीटें आरक्षित करने से नहीं बढ़ेगी, जब तक कि दलों के भीतर उनकी भूमिका और निर्णय लेने की शक्ति भी न बढ़े।

और यह बिल प्रॉक्सी पॉलिटिक्स या पैराशूट पॉलिटिक्स का शिकार न हो जाए यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।हर बड़े बदलाव की शुरूआत संरचनात्मक बदलाव से होती है और यह अधिनियम उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। महिला सशक्तिकरण की यात्रा अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। नीतियाँ बन चुकी हैं, दिशा तय हो चुकी है अब असली चुनौती है इच्छाशक्ति, क्रियान्वयन और निरंतरता की। नारी शक्ति वंदन अधिनियम,के लिए देश की हम सभी महिलाओं की ओर से आपका अभिनंदन आपका आभार मोदी जी!

अक्षय तृतीया का पर्व अत्यधिक शुभ एवं पवित्र होता है: आचार्य दीपक तेजस्वी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। आचार्य दीपक तेजस्वी ने कहा कि अक्षय तृतीया का पर्व रविवार 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये अक्षय तृतीया का पर्व अत्यधिक शुभ एवं पवित्र होता है। अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह वैशाख माह में शुक्ल पक्ष तृतीया के दिन आता है। अक्षय शब्द का अर्थ कभी कम न होने वाला होता है। इसीलिये इस दिन कोई भी जप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य करने का लाभ कभी कम नहीं होता तथा व्यक्ति को सदैव प्राप्त होता रहता है। मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया सौभाग्य एवं सफलता प्रदान करती है। इस दिन सोना खरीदनें की परम्परा हैं, क्योंकि मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर स्वर्ण क्रय करने से आने वाले भविष्य में अत्यधिक धन-समृद्धि प्राप्त होती है। अक्षय दिवस होने के कारण माना जाता है कि इस दिन क्रय किये गये स्वर्ण का कभी क्षरण नहीं होगा तथा उसमें सदैव वृद्धि ही होती रहेगी। अक्षय तृतीया का दिन भगवान विष्णु द्वारा शासित होता है। हिन्दू मुहूर्त ज्योतिष के अनुसार तीन मुहूर्त, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (युगादि), अक्षय तृतीया तथा विजय दशमी को किसी भी शुभ कार्य को आरम्भ करने अथवा सम्पन्न करने हेतु किसी प्रकार के मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि ये तीन दिन सभी अशुभ प्रभावों से मुक्त होते हैं। अक्षय तृतीया का इतने अधिक महत्व का कारण यह भी है कि इसी दिन भगवान न-.नारायण सहित परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था। इसी दिन ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का जन्म हुआ था व कुबेर को खजाना मिला था। अक्षय तृतीया पर ही भगवान बद्रीनारायण के कपाट भी खुलते हैं व जगन्नाथ भगवान के सभी रथों को बनाना प्रारम्भ किया जाता है। मां गंगा का अवतरण भी इसी दिन हुआ था। इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि आज के दिन किए गए पुण्य कार्य का फल कभी भी कम नहीं होगा। अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी जी के मंदिर में श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं। इसी दिन सुदामा भगवान कृष्ण से मिलने पहुंचे थे। इसी दिन सतयुग और त्रैतायुग का प्रारंभ हुआ था और द्वापर युग का समापन हुआ। इसी दिन से वेद व्यास और भगवान गणेश ने महाभारत ग्रंथ लिखना शुरू किया था। आदि शंकराचार्य ने कनकधारा स्तोत्र की रचना की थी। इसी दिन महाभारत की लड़ाई खत्म हुई थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road,
Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा औद्योगिक बंधु एवं कामगारों के बीच उत्पन्न हुए माहौल पर हुआ मंथन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन चेयरमैन डॉ पीयूष द्विवेदी के कार्यालय सेक्टर 63 नोएडा में आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश एवं भारत के शो विंडो के रूप में पहचान लिए नोएडा शहर के 50 वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण स्थापना दिवस के अवसर पर, विगत कुछ दिनों की असामाजिक हिंसात्मक घटनाओं ने औद्योगिक एवं व्यापारिक समुदाय को गहरी चिंता एवं असुरक्षा की भावना से भर दिया है। चेयरमैन डॉ पीयूष द्विवेदी ने कहा कि नोएडा के व्यापारियों एवं उद्यमियों कीवर्तमान परिस्थितियों में व्यवसायिक गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं, जिससे न केवल आर्थिक नुकसान हुआ है, बल्कि निवेशकों के विश्वास पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अपर मुख्य सचिव व औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में नियुक्त उच्चाधिकारियों की समिति का स्वागत है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मजदूरी में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी एवं अन्य मानक दिशा निर्देश स्वागत योग्य है एवं एक सकारात्मक कदम है, साथ ही कहा कि इस तरह की हिंसात्मक आंदोलनों पर भी अंकुश जरूरी है। नोएडा का औद्योगिक एवं व्यापारिक समुदाय सदैव विकास, रोजगार सृजन एवं शहर की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। हम अपेक्षा करते हैं कि प्रशासन भी हमारी सुरक्षा एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। वरिष्ठ महासचिव अमित अग्रवाल ने कहा कि यह एक सुनियोजित, साजिश एवं एक नकारात्मक प्रयोग है जो उद्योगों को भारी नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। श्रमिक कर्मी हिंसावादी मानसिकता नहीं रखते, बाहरी असामाजिक उपद्रवी तत्व इसे बहकाते और भड़काते हैं, जिससे नोएडा क्षेत्र की छवि धूमिल हुई है। एवं यह निवेश में एक बाधा बनता है, इनकी पहचान कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि इस तरह के प्रकरणों की पुनरावृत्ति न हो। कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने कहा कि नोएडा का औद्योगिक एवं व्यापारिक समुदाय सदैव विकास, रोजगार सृजन एवं शहर की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। हम अपेक्षा करते हैं कि प्रशासन भी हमारी सुरक्षा एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उपाध्यक्ष सीए के के अग्रवाल द्वारा मांग रखी गई कि विगत कुछ दिनों की घटनाओं की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराई जाए। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। इस बैठक में व्यापार मंडल से राहुल भाटिया एवं महासचिव अमित पोरवाल, सचिव सुनील वर्मा, सह सचिव तनवीर एवं धर्मवीर बंसल आदि उपस्थित रहे।

हाई टावर से गमछे के सहारे लटकता मिला युवक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया, मिजार्पुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के कलवारी गांव स्थित सब्जी मंडी के पीछे गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गेहूं के खेत में लगे हाई डिस्टेंस टावर से गमछे के सहारे लटकता हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

मृतक की पहचान बल्ली पुत्र रामपोस, निवासी अमदहा कलवारी माफी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर गए, तभी उनकी नजर टावर पर लटके युवक के शव पर पड़ी। यह दृश्य देखकर लोग सन्न रह गए और तुरंत अन्य ग्रामीणों को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मड़िहान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच कर रही है। यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसे लेकर तरह-तरह की चचाएं गांव में व्याप्त हैं। परिजन भी घटना को लेकर स्तब्ध हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

सेमफोर्ड विद्यालय में आयोजित प्रतिभावान छात्रों तथा अभिभावकों को पुष्पगुच्छ एवं मिठाई खिलाकर किया गया सम्मानित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया, मिजार्पुर। सेमफोर्ड विद्यालय, मिजार्पुर में आयोजित प्रेसवार्ता एवं सम्मान समारोह के दौरान सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं उनके अभिभावकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला, जहां उपस्थित लोगों ने छात्रों की सफलता पर तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के डायरेक्टर विवेक बरनवाल एवं श्रीमती शिप्रा बरनवाल ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय के कुल 83 विद्यार्थियों में से 12 छात्रों ने शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है, जिससे अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने सफल छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावकों के सहयोग और विश्वास के बिना इस तरह की उपलब्धि संभव नहीं होती।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह तथा नटवा शाखा की प्रधानाचार्या श्रीमती श्वेता मेहरोत्रा खत्री ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

लाखों की लागत से नवनिर्मित रोडवेज स्टैंड बगैर हैंड ओवर और रख रखाव के अभाव मे खंडहर में तब्दील होने के कागर पर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। विकासखंड हलिया अंतर्गत हथेड़ा ग्राम सभा के कंपोजिट विद्यालय के बगल में लाखों की लागत से बनाया गया नवनिर्मित रोडवेज बस स्टैंड बगैर हैंड ओवर तथा रखरखाव के अभाव में खंडहर में तब्दील होने के कगार पर पहुंच चुका है ज्ञात हो कि विकासखंड हलिया अति पिछड़ा आकांक्षी ब्लाक होने के कारण सरकार द्वारा क्षेत्रीय लोगों को परिवहन के लिए विकासखंड के हथेड़ा गांव में जमीन चिन्हित कर लाखों की लागत से रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण कराने के लिए पीडब्ल्यूडी कार्यदाई संस्था को दिया गया था पीडब्ल्यूडी कार्यदाई संस्था के ठेकेदार राम ललित दुबे द्वारा रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण कराया गया लेकिन कार्यदाई संस्था तथा संबंधित विभाग की उदासीनता तथा घोर लापरवाही के कारण लाखों रुपए की लागत से बनकर तैयार रोडवेज बस स्टैंड को आज तक हैंडोवर नहीं कराने के कारण खंडहर में तब्दील होने के कगार पर पहुंच गया है अराजक तत्वों द्वारा लाखों की लागत से बनकर तैयार बस स्टैंड के टाइल्स खिड़कियों में लगे कांच बिजली के बोर्ड तथा मुसाफिरों के बैठने के लिए बनाए गए टाइल्स ब्रेचं आदि सामानों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है इतना ही नहीं बस स्टैंड कैंपस में लगाए गए इंटरलॉकिंग ईट को भी उखाड़ ले जा रहे हैं इस संबंध में प्रधान प्रतिनिधि काशी प्रसाद मिश्रा से दूरभाष के जरिए जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि कैंपस में इंटरलॉकिंग बेस की चिनाई न होने के कारण अराजक तत्वों द्वारा इंटरलॉकिंग ईट उखाड़ ले जाया जा रहा है कार्यदाई संस्था पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता सुशील कुमार द्वारा आधा अधूरा रोडवेज बस स्टैंड को हैंडोवर कराने का दबाव बनाया जा रहा है बस स्टैंड जब तक पूर्ण रूप से बनाकर नहीं देंगे आधा अधूरा रोडवेज स्टैंड हैंड ओवर नहीं लिया जाएगा वही दूरभाष के जरिए अवर अभियंता सुशील कुमार से बात करने पर उन्होंने कहा कि लगभग 30 लख रुपए की लागत से बनकर तैयार रोडवेज बस स्टैंड बिना रखरखाव के अराजक तत्वों द्वारा वाहन स्टैंड के भवन तथा परिसर को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है वही ग्राम प्रधान द्वारा हैंड ओवर नहीं लिया जा रहा है ग्राम प्रधान तैयार हो तो भवन में लगे क्षतिग्रस्त सामग्री को पुनः लगवा कर हैंड ओवर करा दिया जाएगा नवनिर्मित बस स्टैंड भवन के हैंड ओवर के लिए संबंधित विभाग को पत्र लिखा जा चुका है।

श्रमिकों का हिंसक प्रदर्शन का पाकिस्तान से कनेक्शन, नोएडा में हालात हुए सामान्य

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन के बाद अब हालात पूरी तरह सामान्य हो गए हैं। इसी को लेकर नोएडा पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च किया गया और सेक्टर स्कीम लागू करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सघन पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान सभी औद्योगिक इकाइयां खुली रही और श्रमिकों ने शांतिपूर्वक कार्य किया। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में वृद्धि और वेज बोर्ड गठन की घोषणा के बाद श्रमिकों में संतोष है। साथ ही श्रमिक संगठनों के साथ लगातार संवाद भी जारी है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि हाल के दिनों में हुई हिंसा और उपद्रव की घटनाओं में बाहरी तत्वों की संलिप्तता सामने आई है, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे अराजक तत्वों पर लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर दो खातों द्वारा भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की गई, जिससे जनपद में भय और रोष का माहौल बना। इन पोस्टों के कारण कुछ स्थानों पर हिंसक घटनाएं हुई, जिनमें पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी शामिल रही।

पुलिस ने मामले में संबंधित दो एक्स हैंडल के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। तकनीकी जांच में सामने आया है कि ये दोनों अकाउंट पाकिस्तान से संचालित हो रहे थे और वीपीएन का उपयोग किया जा रहा था। मामले की विस्तृत विवेचना जारी है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्त्रोतों पर ही भरोसा करें, ताकि जनपद में शांति और सौहार्द बना रहे।

ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, चालक की हालत गंभीर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया, मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के अदवा-गड़बड़ा पुल मार्ग स्थित महुगढ़ सुखड़ा नहर के पास गुरुवार देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार, महुगढ़ गांव निवासी 25 वर्षीय आशीष अपने चचेरे भाई 25 वर्षीय पंकज के साथ बाइक से गड़बड़ा पुल की ओर सब्जी लेने जा रहा था। जैसे ही वे महुगढ़ सुखड़ा नहर के पास पहुंचे, सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया गया, जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार एवं फार्मासिस्ट दशरथ पटेल ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों ने आशीष के दाहिने पैर में गंभीर चोट को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। परिजन घायल आशीष को तत्काल मंडलीय चिकित्सालय लेकर रवाना हो गए, जबकि पंकज का उपचार स्थानीय स्तर पर जारी है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार ट्रैक्टर गांव का ही बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाकर आगे की कार्रवाई में लगी हुई है।

नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) ने किया बैसाखी पर्व पर भव्य कीर्तन समागम

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। पंजाबी एकता समिति (पंजी) परिवार द्वारा पावन पर्व 'बैसाखी' के शुभ अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम एवं शबद कीर्तन का आयोजन गुरुद्वारा सेक्टर -012 में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नोएडा पंजाबी एकता समिति परिवार के मुख्य संरक्षक सुरिंदर मेहता, संरक्षक संजय बाली, सरदार जसविंदर खोकर, सतपाल आनंद, अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता,महासचिव नरेन्द्र चोपड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, कोषाध्यक्षक गौरव चाचरा, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, मनोज बवेजा, अंतेश भंडारी, रमेश सीकरी, अश्वनी सदाना, राहुल बाली, सुभाष मेहता, डिम्पल आनंद , मंजू मेहता, नमिता बाली, योगिता सोनी, उर्वशी चाचरा, कुमुद चोपड़ा आदि उपस्थिति रही। नोएडा पंजाबी एकता समिति के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता एवं समस्त संस्थापक सदस्यों ने महानगर से आये हुए सभी संगत का आभार व्यक्त किया। गुरू ग्रंथ साहिब जी हजूरी, भाई अतेंद्र सिंह दिल्ली वाले एवं भाई चरणजीत जीत सिंह द्वारा मधुर शबद कीर्तन हुआ, जिससे समूचा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्ति भाव से ओत-प्रोत हो गया। उपस्थित संगत ने गुरुवाणी का श्रवण कर आत्मिक शांति एवं आनंद का अनुभव किया। बैसाखी पर्व, जो कि फसल कटाई की खुशी और सिख परंपरा में खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है, को अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। आयी हुई संगत ने शबद कीर्तन सुनकर मन को शांति एवं हर्ष और भक्ति में लीन हुये। इस अवसर पर वक्ताओं ने बैसाखी पर्व के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व न केवल खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता, सेवा और भाईचारे का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में गुरुओं के बताए मार्ग पर चलते हुए मानवता की सेवा एवं समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। नोएडा पंजाबी एकता समिति परिवार के पदाधिकारियों ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, समरसता एवं एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संसकृति में विविधता में एकता की भावना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे हमें सदैव बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान संगत के लिए गुरु का लंगर भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने मिलकर प्रसाद ग्रहण किया। लंगर सेवा के माध्यम से सेवा, समर्पण एवं समानता का संदेश भी प्रसारित किया गया। इस भव्य आयोजन में समाज के विभिन्न शहरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी ने मिलकर बैसाखी पर्व को हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया तथा एक-दूसरे को इस पावन अवसर की शुभकामना दीं।

रेल ट्रैक फ्रैक्चर की समय रहते पहचान कर टाली बड़ी दुर्घटना, आशुतोष कुमार को मिला 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' सम्मान

वाराणसी (स्वास्तिक सहारा)। पूर्वोत्तर रेलवे में संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाप्रबंधक उदय बोरवणकर द्वारा 15 अप्रैल 2026 को वाराणसी स्थित महाप्रबंधक सभा कक्ष में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वाराणसी मंडल के एक कर्मचारी को उनकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के लिए 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' सम्मान से नवाजा गया।

यह सम्मान चौरी–चौरा स्टेशन पर ईएसएम पद पर कार्यरत आशुतोष कुमार को प्रदान किया गया। उन्हें नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके इस सराहनीय कार्य की रेलवे अधिकारियों ने खुले मंच से प्रशंसा की और अन्य कर्मचारियों को भी उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 फरवरी 2026 को सरदार नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक में खराबी की सूचना मिलने पर आशुतोष कुमार ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जांच के दौरान उन्होंने रेल ट्रैक में फ्रैक्चर पाया, जो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता था। उन्होंने बिना किसी देरी के इसकी सूचना संबंधित स्टेशन मास्टर एवं इंजीनियरिंग विभाग को दी, जिसके बाद तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया गया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना टल गई और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि आशुतोष कुमार की सजगता, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी का भाव सराहनीय है। ऐसे कर्मचारी रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि संरक्षा से जुड़े कार्यों में तत्परता और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है, और आशुतोष कुमार का यह कार्य अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

बोर्ड परीक्षा में प्रज्ञान स्कूल के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, अलशिफा बनी टॉपर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर के कक्षा 10 के छात्र छात्राओं ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर से अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। 15 अप्रैल को घोषित हुए परिणाम में इस वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। न केवल परिणाम 100% रहा, बल्कि छात्र-छात्राओं ने उच्च अंकों के साथ सफलता प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। विद्यालय की टॉपर छात्रा अलशिफा ने 97.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। तुलसी शर्मा 97.6% अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं तथा चाहत छोंकर ने 96.2% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इनके अतिरिक्त एकता राघव (95.8%), नेहा शर्मा (95.4%), शौर्य गुप्ता (95.2%), हार्दिक (95.2%), खुशी (94.8%), सागर शर्मा (94.6%), गौरी शर्मा (94.4%), लवी (94.4%), अंजलि शर्मा (94.2%), कृष्णा शर्मा (94.2%), शशि भूषण शर्मा (94%), सलोनी (93.8%), शशांक सेंगर (93.6%), अंजलि (93.2%), सोम्या (93.2%), चाहत भाटी (92.6%), यश अत्री (92.4%), कनक श्रीसु (92%), पुलकित जिंदल (91.6%), वैष्णवी वैष्णव (91.6%), हेरंब गोयल (91.4%), फतेह मोहम्मद (91.2%), लक्षिता शर्मा (91%), अनुराग (90.8%), पायल शर्मा (90.4%), शिवा कुमार (90.4%) एवं अक्षत श्रीवास्तव (89.6%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम की घोषणा के साथ ही छात्र-छात्राओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। उन्होंने अपने गुरुजनों को मिठाई खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया और इस सफलता का श्रेय अपने विद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावकों को दिया। इसको लेकर विद्यालय प्रांगण में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक हरीश कुमार शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के बल पर यह उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया है। यह सफलता केवल अंकों की नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। विद्यालय परिवार को इन पर गर्व है। प्रधानाचार्या दीप्ति शर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम हमारे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे और देश-समाज का नाम रोशन करेंगे।

दहेज उत्पीड़न मामले में कार्रवाई, तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र (स्वास्तिक सहारा)। जनपद सोनभद्र के थाना पन्नूगंज पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 81/2026 से संबंधित मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की। पुलिस के अनुसार, यह मामला धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था। लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीनों नामजद अभियुक्तों को ग्राम तेलाड़ी, थाना पन्नूगंज से 16 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2:45 बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सभी अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में लक्ष्मीनारायण जायसवाल (पति), परशुराम जायसवाल (ससुर) एवं गुजराती देवी (सास) शामिल हैं, जो ग्राम तेलाड़ी, थाना पन्नूगंज के निवासी हैं। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंजाम दिया, जिसमें कांस्टेबल शशिकांत सरोज और महिला कांस्टेबल अंजली सरोज शामिल रहीं।

भाजपा सरकार आएगी तो बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे गुंडे, माफिया व मौलानाः योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबनी से भाजपा उम्मीदवार अरिजीत रॉय के पक्ष में जनसभा को किया संबोधित

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

आसनसोल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को फिर पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। बाराबनी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार अरिजीत रॉय के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने के साथ भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया। जनसभा स्थल, वाहनों व घरों की छतों और पेड़ों पर चढ़े लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को बेताब दिखे। बंगाल की धरा पर तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देते हुए सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा कि टीएमसी के गुंडे, माफिया क्या कह रहे हैं या कोई मौलाना क्या बक रहा है, आप किसी से भयभीत न होइए। डबल इंजन की भाजपा सरकार आने दीजिए, ये सभी आपकी चाटुकारिता करते और बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाते दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से कहा कि जब यहां मेरा कार्यक्रम लगा तो तृणमूल के गुंडे लोगों को परेशान करने लग गए। सभा न होने पाए, इसके लिए भाजपा का झंडा उखाड़ने का भी प्रयास किया। अरिजीत का मतलब जो शत्रु को जीत सके, आप लोग उन्हें जिताइए और डबल इंजन सरकार लाइए, टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल स्पीड से सारी समस्याओं का समाधान होगा। भाजपा ही सुरक्षा-समृद्धि, उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने 15 वर्षों से बंगाल को संकट में ला दिया और इसे टेरर, माफियाराज, कटमनी व करप्शन का अड्डा बना दिया, वह टीएमसी अब नहीं चाहिए। इन लोगों ने आमजन, नौजवानों, बेटी-बहनों के सामने भय का माहौल पैदा किया है। टीएमसी के कारण सैंड माफिया, कोल माफिया, लैंड माफिया पैदा हुए। केंद्र से जो पैसा आता है, उसे टीएमसी के गुंडे हजम कर जाते हैं। सीएम ने स्थानीय नागरिकों को विश्वास दिलाया कि बंगाल में दंगों, भय, अराजकता, माफियाराज को भाजपा समाप्त करेगी। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा गारंटी देती है कि बंगाल में दंगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा। गोमाता को कटने नहीं देंगे और हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथियों और 15 वर्ष से टीएमसी ने यहां पहचान का संकट खड़ा किया है। बंगाल कभी कल्चरल कैपिटल के रूप में देश को दिशा देता था, लेकिन इसे क्राइम कैपिटल बनाकर पहचान का संकट खड़ा किया गया। आजादी के बाद बंगाल विकास के पथ पर आगे चल रहा था। देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था। इकॉनमिक लीडर के रूप में बंगाल की तूती बोलती थी। किसान प्रसन्न, नौजवान को नौकरी-रोजगार, मछली-चावल उत्पादन बढ़ रहा था, लेकिन कांग्रेस, वामपंथियों व टीएमसी ने राज्य को भ्रष्टाचार, भय व अराजकता का केंद्र बना दिया। मछली उत्पादन कम हुआ और चावल उत्पादन घटा। यहां के संसाधनों पर माफिया हावी है, नौजवान के लिए नौकरी-रोजगार गायब है। किसानों को उपज का दाम नहीं मिल पाता। यूपी में आलू का दाम 15-16 रुपये किलो और बंगाल में मात्र एक-डेढ़ रुपये मिल रहा है।

कांग्रेस, सपा व टीएमसी नहीं रोक पाईं, अयोध्या में बन गया राम मंदिर

सीएम ने कहा कि 9 साल पहले इससे भी बुरी स्थिति उत्तर प्रदेश की थी। वहां हर दूसरे–तीसरे दिन दंगा होता था। व्यापारी, बहन–बेटी असुरक्षित थी। गुंडागर्दी–अपराध चरम पर था, माफिया हावी थे। जनता के विकास के लिए आने वाले पैसे में डकैती पड़ती थी, लेकिन डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इसका उपचार कर दिया। यूपी में बहुत परिवर्तन हो गया, वहां कोई सड़क पर नमाज नहीं पढ़ सकता। यूपी में पर्व–त्योहार शांति से मनाए जाते हैं। वहां अराजकता–गुंडागर्दी नहीं है, लेकिन बंगाल में गोतस्करी, गोहत्या, त्योहारों के पहले उपद्रव होते हैं। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर अब माफिया की हड्डी–पसली ठीक करता है। माफिया की संपत्ति लेकर गरीबों के आवास बनते हैं। यूपी में न कर्फ्यू है न दंगा है, वहां सब चंगा है। रामजन्मभूमि के लिए आंदोलन करना पड़ा। टीएमसी की पार्टनर समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोली चलवाई। जैसे ममता दीदी को राम नाम, दुर्गा पूजा से चिढ़ है, यूपी में भी ऐसे ही चिढ़ होती थी। यूपी में डबल इंजन सरकार आई तो अयोध्या में भगवान श्रीराम का सबसे बड़ा मंदिर बन गया, इसे कांग्रेस, सपा व टीएमसी रोक नहीं पाईं, क्योंकि मोदी हैं तो मुमकिन है।

प्रेरणा भूमि रही है बंगाल

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल सदैव प्रेरणा भूमि रही है। इसने भारत को राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत दिया। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर बंगाल की धरती टीएमसी की अराजकता से मुक्त होने का आह्वान कर रही है। इस धरा ने रामकृष्ण परमहंस, स्वामी प्रणवानंद, स्वामी विवेकानंद, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, अरविंद घोष, जनसंघ के संस्थापक अध क्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे राष्ट्रवादी चिंतक दिए। कश्मीर को पृथक मान्यता देने के लिए कांग्रेस की चाल के कारण आतंकी भारत की एकता को चुनौती दे रहे थे, लेकिन डॉ. मुखर्जी के संकल्प को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया और धारा 370 समाप्त कर दी।

सुशासन की पहली शर्त होती है सुरक्षा; समय पर पुलिस भर्ती, ट्रेनिंग से बना बेहतर माहौलः योगी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

गोरखपुर। सीएम योगी गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाए गए हैं। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवन का लोकार्पण करने के बाद भ्रमण और निरीक्षण कर भवन में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग में समय पर भर्ती, समय पर ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं के विकास से पुलिसकर्मियों के कार्य की गति बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना, और सुशासन का मॉडल खड़ा हुआ। सीएम योगी गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाए गए हैं। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवन का लोकार्पण करने के बाद भ्रमण और निरीक्षण कर भवन में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा, सुशासन की पहली शर्त होती है। हर व्यक्ति को सुरक्षा चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। पर, हम उसका एक ही पक्ष देख पाते थे। पुलिस का सामान्य सिपाही हो या सब इंस्पेक्टर व डिप्टी एसपी, यदि उसकी ट्रेनिंग नहीं है तो वह भी एक कॉमन मैन (सामान्य व्यक्ति) ही होगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले भर्ती, ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता था। इसका परिणाम यह होता था कि बहुत से नौजवान पुलिस भर्ती में नहीं आना चाहते थे। मुख्यमंत्री ने पुलिस महकमे में वर्ष 2017 के बाद आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि 9 साल पहले जब उनकी सरकार आई तो उस समय पुलिस बल में आधे से अधिक पद खाली थे।

जीएल बजाज इंस्टिट्यूट में एक दिवसीय प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का किया गया आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च द्वारा एक 'प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप' का सफल आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय गहन शोध कौशल विकास कार्यक्रम विशेष रुप से शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया।इस कार्यशाला में शोध के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक एवं ज्ञानवर्धक सत्र लिए गए कार्यक्रम में तीन प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने अनुभव और विशेषज्ञता से प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ पुष्पेंद्र कुमार सूर्या द्वारा 'डिजाइनिंग रिगोरस रिसर्च फाउंडफाउंडेशन्स, फ्रेमवर्क्स एंड मेथोडोलॉजिकल चॉइसेज' विषय पर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शोध के मूलभूत सिद्धांतों एवं संरचनात्मक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया।डॉ अजय कुमार चौहान ने 'लिवरेजिंग एआई टूल्स फॉर क्वालिटेटिव रिसर्च' विषय पर चर्चा की, जिसमें शोध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया गया। डॉ शालिनी श्रीवास्तव द्वारा अंडर एंड टेस्टिंग मेडिएशन एंड मॉडरेशन विषय पर प्रायोगिक सत्र लिया गया, जिससे प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण की उन्नत तकनीकों का अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को आधुनिक शोध पद्धतियों, डेटा विश्लेषण तकनीकों एवं एआई आधारित उपकरणों के उपयोग की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई।संस्थान के निदेशक एवं संकाय सदस्यों ने सभी अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उत्साह एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को अत्यंत सफल बना दिया।

वीवो कंपनी के कर्मियों ने किया हंगामा, पुलिस तैनात

नोएडा। नोएडा में चल रही श्रमिक आंदोलन की आंच बृहस्पतिवार को यमुना सिटी क्षेत्र में भी पहुंच गई। सुबह के समय शिफ्ट बदलने के दौरान वीवो कंपनी के कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि के लिए हंगामा किया और नारे लगाए। सूचना पर रबूपुरा, दनकौर, जेवर और अन्य थानों से जवान कंपनी पहुंच गए और कर्मियों को समझाया। लगभग एक घंटे तक कर्मचारी वेतन वृद्धि की मांग करते हुए नारेबाजी करते रहे। पुलिस ने कर्मचारियों को शांत कराया तो वह काम पर लौट गए। कंपनी में पुलिस और सुरक्षाबल को तैनात कर दी गई है। यमुना सिटी के सेक्टर-24ए स्थित वीवो कंपनी में तीन शिफ्ट में करीब दस हजार से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी में रात की शिफ्ट सुबह सात बजे समाप्त होती है। उसके बाद सुबह 8 बजे दूसरी शिफ्ट शुरू होती है। बृहस्पतिवार सुबह शिफ्ट बदलने के दौरान कर्मी कैंटीन के पास जुटे। इस दौरान कर्मियों ने वेतन बढ़ाने के लिए नारेबाजी शुरू कर दी।

जेएसजीएस पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन, 10वीं उइरए में 100% परिणाम

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

राजगढ़, मीरजापुर। जेएसजीएस पब्लिक स्कूल, तिसूही मड़िहान, मीरजापुर ने उइरए 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय का यह उत्कृष्ट परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतीक है। इस उपलब्धि पर प्रबन्ध निदेशक डॉ. जगदीश सिंह पटेल ने कहा की सफलता उन्हीं के कदम चूमती है, जो मेहनत को अपनी आदत बना लेते हैं। आप सभी विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया कि लगन, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असम्भव नहीं है। इसी जोश और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहें, क्योंकि यही आपकी असली पहचान और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। श्री सिंह ने विद्यालय परिवार सहित समस्त सफल छात्र-छात्राओं को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। इस वर्ष के टॉपर्स में अंशिका मौर्या (94.2%) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि उज्ज्वल पाण्डेय (93%) द्वितीय, हिमांशु चंद्र (92.2%) तृतीय, हर्ष कुमार (92%) चतुर्थ एवं गरिमा मौर्या (90.8%) पंचम स्थान पर रहे। सभी विद्यार्थियों ने विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम मिलन यादव ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कठिन मेहनत, शिक्षकों की लगन और अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि विद्यालय द्वारा पूरे वर्ष एक्स्ट्रा क्लास, डाउट सेशन और मेंटल हेल्थ वर्कशॉप पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन मिला। विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ0 जगदीश सिंह पटेल (चेयरमैन, जिला सहकारी बैंक मीरजापुर-सोनभद्र) के कुशल नेतृत्व एवं संरक्षण में विद्यालय लगातार प्रगति कर रहा है। इस उपलब्धि पर गजेन्द्र प्रताप सिंह (ब्लॉक प्रमुख, राजगढ़) सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने सभी छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने पड़ोसी राज्यों में भी सजाई फील्डिंग, विपक्ष का चक्रव्यूह तोड़ने के लिए बनाई रणनीति

मोहन यादव के जरिए सपा के ओबीसी चक्रव्यूह को भेदने का प्रयास

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा देर से ही सही, लेकिन बहुत दूर की सोचकर निर्णय लेती है। बिहार में कोइरी समाज के सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने ओबीसी कार्ड मजबूत करते हुए यूपी में अखिलेश यादव के पीडीए की चाल रोकने का भी प्रयास किया है। पड़ोसी राज्यों में मुख्यमंत्रियों के जरिए भाजपा ने ऐसा जातीय गुलदस्ता सजाया है, जिसका असर 2027 में यूपी के विधानसभा चुनाव में नजर आएगा। भाजपा ने हाल में बिहार में सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर पूर्वांचल तक साधने का दांव चला है। पूर्वांचल में कोइरी समाज की बड़ी संख्या है, जहां कई जिलों की सीमाएं बिहार तक पहुंचती हैं। उत्तर प्रदेश में सैनी समाज को भी कोइरी समाज का समतुल्य मानते हैं। भाजपा ने आठ फरवरी 2025 को नई दिल्ली में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर जहां महिला समीकरण साधा, वहीं गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ समेत पश्चिम के जिलों के वैश्य वोटों की बड़ी संख्या के बीच अपनेपन का संदेश दिया। हरियाणा में भाजपा ने पुराने जातीय समीकरणों को बदलते हुए 12 मार्च 2024 को नायब सिंह सैनी को सीएम की कुर्सी पर बिठाया।

हरियाणा की सीमा से सटे सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर एवं बागपत से लेकर संभल तक सैनी वोटों की बड़ी संख्या है। इन क्षेत्रों में नायब सिंह की जनसभाएं लगती रही हैं। मध्य प्रदेश में 13 दिसंबर 2023 को सीएम बने मोहन यादव के जरिए भाजपा ने सपा के जातीय चक्रव्यूह को भेदने का प्रयास किया। सपा के मजबूत गढ़ पर असर पड़े या न पड़े, लेकिन मोहन के जरिए भाजपा ने ओबीसी की सबसे मजबूत जातियों में शामिल यादव वोटों के बीच बड़ा संदेश तो दिया ही है। पिछले लोकसभा चुनाव में मोहन यादव की यादव बाहुल्य जिलों इटावा, मैनपुरी, एटा, शिकोहाबाद, कन्नौज से लेकर आजमगढ़ तक चुनाव प्रचार में मांग रही। राजस्थान में भजनलाल शर्मा, नई दिल्ली में रेखा गुप्ता, उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ सवर्ण समाज के हैं, जिनका आसपास के राज्यों में जातीय कनेक्ट भी है। पड़ोसी राज्यों में पार्टी ने तीन ओबीसी एवं तीन सवर्ण समाज के चेहरों को सीएम की कुर्सी देकर जातीय समीकरण दुरुस्त रखने का प्रयास किया है।

जिला विज्ञान क्लब द्वारा एक दिवसीय वैज्ञानिक शोध हेतु भ्रमण एवं व्याख्यान कार्यक्रम

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम,मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में जिला विज्ञान क्लब गौतम बुद्ध नगर के द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम के अंतर्गत बिहारी लाल इंटर कॉलेज दनकौर, नवजीवन इंटर कॉलेज भंगेल, अमीचंद इंटर कॉलेज कासना, महामाया बालिका इंटर कॉलेज नोएडा, दि डिवाइन मदरस इंटरनेशनल स्कूल जेवर के मेधावी छात्र-छात्राओं को एक दिवसीय वैज्ञानिक शोध प्रयोगशालाओं/ औद्योगिक संस्थानों के भ्रमण एवं वैज्ञानिक व्याख्यान कार्यक्रम हेतु नेशनल साइंस सेंटर दिल्ली का भ्रमण कराया गया। प्रातः 9 बजे वैज्ञानिक भ्रमण हेतु दो बसों के माध्यम से विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षिकाओं के साथ जिला विज्ञान क्लब जनपद गौतम बुद्ध नगर कोऑर्डिनेटर अर्चना शिरोमणि के नेतृत्व में नेशनल साइंस सेंटर दिल्ली भेजा गया। बिहारी लाल इंटर कॉलेज दनकौर के प्रधानाचार्य महकार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बसों को कलेक्ट्रेट सूरजपुर ग्रेटर नोएडा से रवाना किया। जिस मे 100 बच्चे और 20 शिक्षक का ग्रुप गया था। इस अवसर पर संगीता, गुंजन, जितेन्द्र कुमार, महकार सिंह, डॉ सपना आर्य, मीणा बीहरिलाल, सराबजीत पाल, अनीता, नमिता अग्रवाल, सीमा मालिक आदि शिक्षक उपस्थित रहे।